

Two Day Virtual Workshop on IPR, Copyrights and Patents

Newspaper: Dainik Jagran

Date: 22-03-2022

कापीराइट और पेटेंट को लेकर जागरूक करने में कार्यशाला का बड़ा योगदान : टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आइपीआर, कापीराइट और पेटेंट विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन कौशल, शिक्षा और अवसरों को सुलभ कौशल बनाने के लिए कार्यरत संगठन स्किल स्लेट के सहयोग से वर्चुअल माध्यम से किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं विद्यार्थियों को संबंधित क्षेत्र की अद्यतन जानकारियों के बारे में शिक्षित करने एवं उनके कॉपीराइट को सुरक्षित करने की दिशा में मार्गदर्शन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन



हकैवि में राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर ● सौ. हकैवि

की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि पेटेंट और कॉपीराइट के माध्यम से कैसे बाजार में बढ़त बनाई जा सकती है और उनके विचार और नवाचार की सफलता का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। उद्यमिता प्रकोष्ठ की समन्वयक, डा. सुनीता तंवर ने कार्यशाला के विषय से प्रतिभागियों को अवगत कराया और प्रतिभागियों को आश्वासन

दिया कि विश्वविद्यालय का उद्यमिता प्रकोष्ठ एवं सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन कॉपीराइट और पेटेंट फाइलिंग में हर संभव सहायता प्रदान करता रहेगा। स्किलस्लेट फाउंडेशन की संस्थापक अमेया अग्रवाल ने प्रतिभागियों को अपने क्षेत्र में अभिनव दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया और बताया कि कैसे यह अभिनव दृष्टिकोण भारत की स्थिति को वैश्विक स्तर पर सुदृढ़ कर सकता है। कार्यक्रम की विशेषज्ञ डा. जयश्री बंगाली ने दो दिवसीय कार्यशाला में तकनीकी सत्रों का संचालन किया और आईपीआर, विभिन्न प्रकार के कॉपीराइट और पेटेंट, और इन पेटेंटों के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला के समन्वयक डा. निशान सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala

Date: 22-03-2022

हर्केविधि

दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

आईपीआर, कॉपीराइट और पेटेंट विषय की दी जानकारी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हर्केविधि) में आईपीआर, कॉपीराइट और पेटेंट विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय

कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन कौशल, शिक्षा और अवसरों को सुलभ कौशल बनाने के लिए कार्यरत संगठन स्किल स्टेज के सहयोग से वर्चुअल माध्यम से किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएँ विद्यार्थियों को संबंधित क्षेत्र की जानकारियों के बारे में शिक्षित करने एवं उनके कॉपीराइट को सुरक्षित करने की दिशा में मार्गदर्शन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि पेटेंट और कॉपीराइट के माध्यम से कैसे बाजार में



कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

वनों को बचाना समय की आवश्यकता: प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के इतिहास और पुरातत्व विभाग ने विश्व वन दिवस के उपलक्ष्य में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वन को समझने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण विषय पर आधारित संगोष्ठी का उद्देश्य हमारे जीवन में जंगल का महत्व और जंगल की वस्तुस्थिति से प्रतिभागियों को अवगत कराना था। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभाग के प्रयासों को सराहना की और अपने संदेश में कहा कि मानवता के हित में वनों को बचाना समय की आवश्यकता है। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के विभिन्न छह विषयों के संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने अपने स्वयं के अनुशासन के दृष्टिकोण से वन की प्रासंगिकता के बारे में अपने विचार रखे। हिंदी विभाग से डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, विधि विभाग से डॉ. प्रदीप कुमार, राजनीति विज्ञान विभाग से डॉ. राजीव कुमार सिंह, पर्यावरण विज्ञान विभाग से डॉ. मोना, भूगोल विभाग से डॉ. खेराज और समाजशास्त्र विभाग से डॉ. युद्धवीर ने संगोष्ठी में हिस्सा लिया। संवाद



बढ़त बनाई जा सकती है और उनके विचार और नवाचार की सफलता का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। उद्यमिता प्रकोष्ठ की समन्वयक, डॉ. सुनीता तंवर

ने प्रतिभागियों को आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय का उद्यमिता प्रकोष्ठ एवं सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन कॉपीराइट और पेटेंट फाइलिंग में हर

विश्वविद्यालय से महेंद्रगढ़ तक अतिरिक्त बस सेवा शुरू

महेंद्रगढ़। हरियाणा राज्य नारनील डिपो ने केन्द्रीय विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए लॉकडाउन के दौरान से शामकाल चलने वाली बंद अतिरिक्त बस सेवा को सोमवार से शुरू कर दिया है। बस हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय पहुंचने पर छात्र संगठन के सदस्यों ने चालक व

परिचालक को स्वागत किया। छात्र संगठन सदस्य अक्षय मालड़ा ने बताया कि हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आवागमन के लिए छात्र-छात्राओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। राज्य परिवहन के महा प्रबंधक से मांग के बाद उन्होंने बस सेवा शुरू कर दी है। संगठन की ओर से महाप्रबंधक नवीन शर्मा, टीएम अमित कुमार, डीआई विक्रम यादव, अइडा इंचार्ज वेद प्रकाश का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर गजेंद्र, प्रवीन, यशपाल, जतिन, अमित, अजीत, महेश, निहाल, देवेन्द्र सहित अन्य उपस्थित रहे। संवाद



संभव सहायता प्रदान करता रहेगा।

कार्यक्रम की विशेषज्ञ डॉ. जयश्री बंगाली ने दो दिवसीय कार्यशाला में तकनीकी सत्रों का संचालन किया और

आईपीआर, विभिन्न प्रकार के कॉपीराइट और पेटेंट, और इन पेटेंटों के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की।

आई.पी.आर., कॉपीराइट और पेटेंट पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़, 21 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आई.पी.आर., कॉपीराइट और पेटेंट विषय पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन कौशल, शिक्षा और अवसरों को सुलभ कौशल बनाने के लिए कार्यरत संगठन स्किल स्लेट के सहयोग से वर्चुअल माध्यम से किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं विद्यार्थियों को संबंधित क्षेत्र की अद्यतन जानकारियों के बारे में शिक्षित करने एवं उनके कॉपीराइट को सुरक्षित करने की दिशा में मार्गदर्शन हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि पेटेंट और कॉपीराइट के माध्यम से कैसे बाजार में बढ़त बनाई जा सकती है और उनके विचार और नवाचार की सफलता का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। उद्यमिता प्रकोष्ठ



कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

की समन्वयक, डॉ. सुनीता तंवर ने कार्यशाला के विषय से प्रतिभागियों को अवगत कराया और प्रतिभागियों को आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय का उद्यमिता प्रकोष्ठ एवं सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन कॉपीराइट और पेटेंट फाइलिंग में हर संभव सहायता प्रदान करता रहेगा।

कार्यक्रम की विशेषज्ञ डा. जयश्री बंगाली ने 2 दिवसीय कार्यशाला में तकनीकी सत्रों का संचालन किया और आई.पी.आर., विभिन्न प्रकार के कॉपीराइट और पेटेंट और इन पेटेंटों के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की।